बाल चिकित्सा

(भाषा)



तनकरजाय सोअकारानिधसैंकहोहतन
शूलनोहावाय धन्वंतरउवाच चौ० अप
ममासवेदनजोहोई गर्भशूलउपजैनोहा
सोई नाकिऔषदकहुबिचार नानैसुख
पावेघरनार गिरूकवलगाहेकीलपाव ना
समचंदनआनमिलाव होरप्रियंगुफल।
विचार नासमरवसजोदिजोडार केशरना
गडारसमलाय ।जेजलसोरगडोसाय का
ढाकरोदुधसैपाय फेरनारिकोदेहिपिलाय
षष्पसमासकाशूलनसाय वैद्यधन्वंतरदे
योभनाय १ रंभाउवाच दो० दुतीयमासकि
वेदनाजोनारितनहोय अबउपायनाकेक

बा०
२

होमहाअतिसुखहोय धनंतरउवाच चौ०
दुतीयमासनारिहोमेद ताकाकहुंशाकलसु
नभेद ताकिऔखदसुनोउपाय गर्भपीडना
नैमिटजाय कवलफलमासादोत्पाय ताम
सबीजकवलकापाय भंगरेकारसकेशरत्ता
व सीतलपाणीमेपिसवाव दुधपिलायपि
वैजोनार गर्भफलकोदुखविचार रंभाउ
वाच २ दो० ततीयमासलछणकहोहेस्वा
मिअतिध्यान फलहोतजबनारकैहोतग
र्भकिहान धनंतरउवाचः चौ० गर्भमासती
जेहोनार ताकेलछणसुनोविचार बरनन
हुंऔखदकेनाम गर्भफलनेपावैआरामः ।

राम:
२

मासादोयकषंआत्याव आनसेवतीविचर
लाव केशरत्नामैदेहमिलाय चावलधोवण
मैंपिसवाय फेरदुधमैदेनमिलाय गर्भवीन
कोदिजेप्याय सकलतिसनैमिरजाय मुनि
जनओयरदियोभत्नाय ३ रंभोउवाच दो॰
मासचतुर्थकेविचमैफलहोतनमधधामः
ताउपावनवरननकरोनिश्चैमनअभिरामः
धन्वंतरउवाचः सवैया मासचतुर्थकेलत्त
णारोगकहुंतुमकोसमझाई रोगघटैहोरपी
डमिटैसुखहोतशरीरकरोजोउपाई गर्भथ
भैनगिरनीरियाकोजवनारसमेपरओयद
खाई ओयदनाकिआपसुनोसभसोईक

गेनुमैसेन्नमताई दो० दुग्धगडकाभ्रानकेसो
नलनीरमिलाय जडकेलेकोपीसकैनालिक
वलमिलाय दुग्धसंगसैंरगडकैसुखसौंपो।
वैनार अतिसुखहोवैफलकोप्रेमनआप
विचार ५ रंभाउवाच दो० मासपाँचवाँजब
लगैनारितनहोफलः नाउपावबरननकरो।
ग्रेषनकेअनकल धन्वंतरउवाच सोरठा
मासपाँचवाँआनलगतजानजबनारकोहो
नगर्भकीहान फलउठतजबनारकैविवि
धभाँतपरवान औखदअमलसुभावसमः
लक्षणकहुंनिदान जोसममैगुनिजनभाक
लहोनरोगकीहान दो० कमलनालिकोभ्रा

नकैकेकोलमिरचसंगव्यान सीतलजलमैः
पीसकैदुग्धमिलावैजान तुरतपिलावैनार
कोनिश्चैमनचिंततनाय गर्भकालताकामिटे
धन्वंतरकीयोभनताय ५ रंभाउवाचः लछन
सपतममासकेकहोबिचारबिचार गर्भकाल
ननकोमिटैसुखपावैजोनार धन्वंतरउवाच
छटामासनारिजबहोय गर्भकालनाहाउपजै
सोय महाकष्टबाधाअतिभार अबताकाः
सुनियोउपगार पलपलासकेबीजमंगायः
तासमकेसारभ्यानमिलाय कवलबीजसंग
मिरचास्वाव सीतलजलमैताषिसवाव गे
रदुग्धपीवैजोनार सुखपावैजोसुनोबिचार
६ रंभाउवाच हे मासमानवोनारिकोलगेः

वा०
६ सुनोप्रियामनलाय गर्भस्त्रवैपनउठैताको
कहोउपाय धन्वंतरउवाच: चौ० ससमासता
रिहोजाय गर्भपीडताँहाअधिकसुहाय महा
कष्टपावैजोनार तासुखकारणपेउपगारकौं
चगिरूजामनजडल्याय मिसरितासमसहोरमि
लाय गलमिलासोतलजलपीस दुग्धसंगपी
वैयोगीस पीवैनारिसभदुखनसाय गर्भस्त्र
विनसैमिटजाय ७ रंभाउवाच मासआठवौं
जबलगैनारितनहोस्त्रव तातनपीडागर्भ:
कीमहाव्याधकोसूल धन्वंतरउवाच चौ०।
मासआठवौंजबनैजान गर्भस्त्रवैनोपकोप
रवान ताओषदजोकरैविचार गर्भवानसु
खपावैनार गजपीपलऔरधनोपाल्याय: राम:
६

मालानामधगेरमिलाय सीतलजलसोंगेरैनाह
दुग्धमांहीजोदेनमिलाय ताकोपीवननारसुखहो
य. पामैनाहकुछहालकोय ८ भैउवाच चौ०
नवमेमासकाकहोअभाग सुखदुःखकारणअ
नुमान गर्भफलनारिनहोय ताविधकरउपा
वकहोसोय धनवंतरउवाच नौमेमासकासुनोअ
भाग लछणरोगकहुउनमान जासेसुखपावैप
रनार सकलरोगकोकहुविचार झलमिटैव्याधा
मिटजाय अबताकोमैकहुउपाय दो० कवलबी
जमिरचासहितसमनावरीबीजमिलाय पीसैजलक
रउसमसोंनामैदुग्धजोपाय जोपीवैसुखनारकोहो
नमहाआनंद गर्भफलपीडामिटैहैदरदर्दुखदंद

ॐ रंभाउवाच दशवेंमासकीवेदनामहादुख कोधाम॥ फलपका आसनन जननकहोसक लगुनबीन उधन्वंतरउवाच दशवांमासल गैनारकोरोगनव्यापैकोय॥ बालकहोनेकोस मोदशवेंसेधिहोय दशवेंमासवरननकरूं सकलमहासुखमूल चौ० सिरसोंमिरचसहत समपाय कवलजोगहेताहिमिलाय समकरदु धसंगजोपीव व्याधमिटैसुखपावैजीव गर्भप मैजोकरैउपाय मैघधन्वंतरदियोभताय १०३ तिदशमासगर्भचिकित्सासंपूर्णम अथबाल कउत्पतिदशदिनाचिकित्सावालिमेयुक्रमाण रंभाउवाच दो० कहोप्रथमदिनकोशिशुय

सतप तनाआय क्याकाल छुनरोगकेकहोहमै
समझाय धन्वंतरउवाच असतपतनाआनके
धव्वनीनामकहात महाकष्टदेवालकोमहाप
तनाजान निदान बालकदुधीतापीवैगरदन
कमरफिराय नुरुतरालमूषसैंगीरैरोगसुनाउ
आय अगनाकोलेपनकहुलेपकरावैआय
पुनस्नानकराइयेगुरुजनतनचितलाय औष
द लोदमजीठमंगायकैनामैनगरमिलाय बा
लकअंगलगायकैस्नानकराय बालकसुष
पावैसकल तनकोरोगनसाय फेरदुःखपावैन
हीजोकरैसमझउपाय बलीमछीमधुरादुग्धले
गुडसमनाहिमिलाय बलीजोदिजैप्रातउठस

भपीडा मिट जाय मंत्रः ॐ नमो भगवती धून्वती
नाम देवी इदं वलिं गृह्ण गृह्ण बालकं मुंच मुंच
स्वाहा १ इति प्रथम रात्रि रैभा उपाच दो० बाल
क रोग निदान सुख सुभ नर नो सम इश इनीपे
रात्र भै पतना कहो नाम जोगी स धन्वंतर उवा
च चौ० इनीपे रात्र जो बालक होई ताय सन
पतना सोई भी अती नाम पतना जान ग्रहक
रै बालकं को आन निदान सुकम वाल उदै होतौ
स नक्करी सम होत अप्रकास रुदन करै लेनैन
मिजाय गसन पोगनी ताको आय ताको लेप
करै तन काल औषद कहु जो सम भै हाल वती
दीजी पे ताप प्रमान जन कुंडु बालक आवे हा

पंचगव्यसैं करोलोन मैथअंगअंकरतनआ
न ताकिधूपदेयतीसवार बालकरोगताहिनि
वार वली धजावतताकानेदूलसाय पीनपुष्प
ताहीदीजेपाय मातलौंगकेसारसमकैं सूक्ष्म
यपाअमायेतिहाधरै दक्षिणदिशाजलौदेजा
य सभबालककोरोगनसाय इतिश्रीधनेपत
त्रि रेसाउवाच चौ० तीनरात्रअजबालकजात
कहोसभीईषाअमात कौनपूतनागहैहैवा
ल ताकोनामकहोदरहाल धन्वंतरउवाच।
तीनरात्रजबबालकहोई उत्सपूतनाताको
सोई केकोलीहैताकोनाम ताहिरात्रसीकरै
प्रणाम ताकेलक्षनसुनमनलाय वैद्यधन्वं

नरदियोभताय निदान लेतऊंभाईबंडेउस्वास
गेरैदुधहोरतनकोश उडैगीतानतनमैंहोयरो
गबधैब्याधाहैसोय ताकोलेपनबलीदिवाय
तुरतरोगतनकाभिरजाय बली गजकोदांत
गोदांतसंगाव वेलपत्रअग्निकीचडील्याव मक
रीमुत्रमैलेपीसलाव ताबालकतनदेतलगा
य सर्पकेंचुकीधूपदिवाये नीबपत्रतामिच
मिलाये स्नानकरायबालकसुद्धहोय जबहो
बलीदेयतनकाल बलीदो० नैवैद्यकोदेव
लीधूपदीपबलीदान मेंजासहितपूजनक
रैहोनरोगकोनास मंत्र: ॐनमोकेंकोलीनाम
भगवतीइदंबलीग्रहणग्रहबालकंमुंचमुंच

स्वाहा २ इतिनक्तीपराजि: ॥ भैरोउवाच चतुर
राजजंगलगतहैवालकहोयउद्यापा कौंनग
सतहैयोगतौहमसैकरोपरगास धन्वंतरउ
वाच राजेचतुर्पथेकहोतजनयसनपूतना
आय लक्षणरोगनिदानसभमरनतुंमेन।
लाय निदान मुषसेबहुतउलटीकरैनासोवै
हो दिनरात रवांसीनखांसीअधिक:ताहिसमैहोजा
त ताकोमरदनकोजोयेपंचगव्यलाव सर्प
केंचुगजदंतकोदीजेधतोआन सर्षपहेलीसं
गलेपिठैकोजैलेप उश्मवारिस्नानकरनोको
जैबिछुप दिजैबलीजोस्यामकोदछिणादिशा
लेजाय नैवैघदीपकसहितजलमैदेतवहाय

ਬਾ੦
੮

ੲ.
ਸਪ.

औषद अथ सरवरहटो नुरतमें गाव गुगलताके
विचरलाव पीलिसिरसों काकरभेल घृतमैष
अपकावैमेल ताकालेपलगावैवाल सकल:
रोगकोहोवैटाल पुनः पंचागअपलानकरावै:
रकवसञसोंतनपुरुवावै वलीभोगदीजैसुरहा
न सकलरोगकोहोवैहान नैवेद्यकीवलीदि
वाय धूपदीपताविचधराय मंत्रपठैताहाए
कसोवार १०१ बालककोसभरोगनिवार मंत्र:
ॐनमोभगवतीकुंकारीनामरुद्रंवतीगहाग्र
घवालकें मुंचमुंचस्वाहा ६ इतिषटराजे: रे
भातृवाच दो॰ कहोराजिसमभौअभुअसतप
ननाजोग विधिप्रमाणलहणाकहोहोरप्रतना

बा०
६ भोग धन्वंतर उवाच लगत दिवस जब सात
बालगत बालको आन मुक्तकेशी जो एतना:
ग्रसत बालको जान चौ० बहु नरालजो मुषसैं
जाय बालक बहु तजैं भाईष्पाय अतिसारजो
नवन पिराय ताहि रोगको कहुं उपाय औषद
प्रथम कुडेको जड ले आव काकडासिंगी ताही
मिलाय ताहीमै भंगरैकानीर मर्दन कीजै सक
ल शरीर धूप दीप नैवेद्य हो पाय ताको बलो:
छोतुरत दिवाय दाहिण दिशादे पतन काल:
मै जपै नाकरी येहाल मंत्र: ॐ नमो भगवती
मुक्तकेशी इदं बलीं गृह्ण गृह्ण बालकं मुंच मुंच
स्वाहा ७ इति सप्तरात्रि: रेभो उवाच दो० लछन

राम
९

अब सप्त दिवस के कहो विचार विचार रोग सकल बरनन करो ग्रंथो के अनुसार धर्मराज उवाच:

दो० अब सप्त रात्रो बालक को आन हेडना म पूतना घात न अस बालक को छिन मे आन तो बालक का सुनो निदान दो० सांस न आव बालको हार रोवै दिन रात सीस धुनै कंपै सकल ज्वर को वेग बिघात आव द कुंद को खेत मे गाय के कुडा जो हिंगु पाय गउमू त्र मे पीसकै बालक अंग तल पाय पीलि सिर सों रग ड कै लेपै बालक अंग धूप ब्यघ्र नख दीजीये घरजारोग निसंग धूप दीप नैवेद्य को बत्ती दि जे बत्ती दिवाय मंत्र जपै संयुक्त कर सभी रोग मि टजाय मंत्र: ॐ नमो भगवती हेडनी नाम हदं

बा०
१० बंलीगप्रगग्रबालकेमुचमुचखाहा ८ ह्मप्रह
रेताउवाच चौ० नवदिनबालकहोपसुजानता
कोलहनकहोवषान गृहपूतनाकोसविधिः
सोप क्यालहुनउपजेसुखहोप अथनरउवा
च जेवनौमादिनबालकोलगनआनपहरोगः
महाकष्टदुषहोनहे यहताकोसंयोगः अजामे
षीहैपूतना यसआन ननकान तासोसुखपा
वैनहिमहादुषीहोबाल स्वोंसमहाउंचाउठैतो
डनसकलशरीर वारवाररोवैशिशुवोहननषा
पैपीर औषद सषेपसेनमेंगापकेनचेदताही
सिताप गउमुजमैपीसकैघोरमानकराय मन
मयपाजजोआनकेनामधधूपजोपाय गुडना

राम
१०

होमैगेरकैतादद्दितादिपालेजाय सोखरभौंन
वलीदीजोयमंत्रसहितसजाप पून्पदानतिका
करोसकलरोगमीटजाय मंत्रः ॐनमोभगव
तीअजामेषी इस्मांवलीगउख रवालकेमुंच र
स्वाहा ५ इतिनवराज्ञिः भाउवाच दशराज्ञीः
कोआनकैजवहोवैशिशुआन ताकेलछनः
सभकहोहमसंगसकलवखान धन्वंतरउवा
च दशहोराज्ञीबालककोअघटहोवैसुनका
न महारोगतनहोतहैयसतपूतनाआन रोद
नीनामजोपूतनायसतबालकोआन ताकोवि
धवरननकरूघटतरोगसुरज्ञान रुदनवहुत
बालकरैज्वरकाबाधाहोय दुधवहुतनमखसै

बा०
११

परैदिननिंद्रानिहोय औखद जामनपानमंगा
।पकैजीरासेनमंगाय कवलबीजसमगेरीये
छालकुडेकीपाय गउमूत्रमैपीसकैकरलेले
पसनान नैवेदघदीपकसहितअनदीजेवलो
दान दछिणदिशामेदिजीयेजबहोवैमध्यान
सकलरोगमिटैबालकोमंत्रसहितसुरग्यानः
मंत्र:ॐनमोभगवतीरोदनीङ्मोंवलोगृह्मर
बालकेसेचरस्वाहा १० इतिदसरात्रिःअथध्री
दशामासप्रमाण रंभाउवाचः दो० जबबाल
कएकमासकाहुवासुनोममदेव कौनएत
नायसतहैअबताकोकहोभेव धन्वंतरउवा
च चौ० ११ मासजानबालकजबहोई सकुना

नामपूतनासोई ग्रसतजापबालककोबाहो भ
यप्यासअपैनाजवहो दो० दिनरातरोवअधि
कमुततलालपिसाव नेत्रोसदोषेनहीहोतले
होजावेताव धायुगेपहोततवोग्रेपीजतदूद
अचेत वारवारोवशिशुग्रसपूतनाजात जव
ग्रसलेहपूतनाद्रीरपियानहिजाय ततहोसर
हैनहितोकाकरोउपाय औखद बीजकरंजवा
आनकैसहदेवीरसपाय केलारससंपुककरतो
रीपपरगराय बालकद्युटैदोजोयेसातवखत
परवान सर्वरोगततकोमिटै कहधनवंतरआत
चली मछीमधुराआनकैतामैतेदुलपायपोत
पुष्पनाहाआनकैतामधआपधराय सातप

वा०
१२ ताकाविंच्युधरसोनरंगकाजान दक्षिणदिशा
दीजैवलीजवहीजैमधान मंत्रपठैताहावैर
कैवारणकसोमान १०७ रोगघटैपीडामिटैरत्त
कणीरघुनाथ मंत्रः ॐनमोभगवतीसकुंता
नामदंदंजेलीगृहरवालकैमुचंरस्वाहा ११
इतिप्रथममास वैशाउवाच दो० द्वितीयमा
सलहुनकहोदेव ताकैकहुतुम्हारीसेव तुम
होदिनकेधमुखदाता तीनलोकमैहोविष्या
ता धनंतरउवाच दो० द्वितीयमासजवहोत
जैगसनपतताआय कुमदानामहैपूतनासो
वलकरतीआय खेनगातगातहोजायतीसः
दीरपियानहिजाय सकैसकलप्रारोरतवरो

गकैंठकफ आय औषद विसषपरेको आन
कैसेंगमजीठसैंगाय भलसक्षागागेरकैहोरमो
चरसपाय नारीपपसोरगरकैकरधुटिनतका
ल जलदीदिजैवालकोसकलरोगकोठालवे
ली: चावलदुधसैंगायकैनामधकुटधराय
वेलतिलाकाआनकैचोमुषदीपजलाय नौ
मपत्रकोधपदेदक्षिणदिशलेजाय समरात्र
दीजैवलीजवहोवैसधान मंत्रपढैपूजाक
रैदिजैद्विजकोदान मंत्र: ओंनमोभगवती
वासुदेवीश्रीसुकुंदादेवीइदंगंतोगन्धरवा
लकैसुचरस्वाहा २ इतिद्वितीयमास २ भाउ
वाच त्रतीयमासलछनकहोओषदअस

बा॰
१३ लउपाय ममअभीलाषासुतनकोदीजैमोहव
ताय धनंतरउवाच बातकहुसुनकानकरह
तीयमासकोआप सममजसोजकरकहतहुस
भआधामिटजाय रोदनोनामजोपतनाकरत
महासुषसाज महाकष्टकोधामहैसुदरकोहिउ
पाअ सोरठा अवतमउदिनरातमहानतज्वर
वेगको हरदीरोगविघातहोरषोजैसुधनार
है दो॰ अवताकीऔषदकहुमाजमाइफल
अडवजवायणपरटकडोसजोकरसेमतल
हनऔषदकोदीजीयेरोगघटैततकाल औ
रैताकीहवलीकहुहोरदरहाल मन्मयपाज
मेगायकैधजामाततमेगजाय पुष्पलालकतीय

रसहितरजनीरसंनाहापाय घृतमिष्टानमिला
पकैवलीदेनतनतकाल सर्वरोगतनकोमिटैस
हाश्रउवषेषमात दक्षिणदिशवलीदेजोयेहो
नस्थामज्जवजात मेंत्रपढैहोरधूपदेकरैपुष्प
सनमान मंत्रः ॐनमोभगवतीरोदनीइमाव
लीग्रहधरवालकेंमुंचस्वाहा इतितृतीयः
मास रंभाउवाच दो० चतुरमासलछनकहो:
वालकरोगविचार कौनरोगहोवालकोकहो
हमसैंनोरधार धन्वंतरउवाच मासचारवा
लकहोयसनतपूतनाआय ताहिनामवरनन
करसुनोरसीकमनलाय भद्रणीनामहस्त
नाम्रसतवालअंगअंगः अस्थिहरकररोगको

बा०
१८ निमिषनछाडैसंग दछिणहाथउठैबहुतरो
वैदिनहोरराति सुस्कजायसारासतनहोतउ
भाइप्यास औषद सेतषडीकोग्यानकैनामै
कथमिलाय रगडसपारीसंगदेवलीलायवौ
पाय होरवंशलोचनग्यानकैबालककोदेया
य सर्वरोगतनकोमिटैसुंदरयेहीउपायवतो
चो० सप्तध्वजापताकालयाव तेदुलपीनताहा
विचधराव होरनामसोरसोंभुरकाव दछिण
दिशमैवलीदिवाव मंत्रसहितदेवलीदिवा
व मंत्रः ॐनमोभगवतोभद्रणीइमांवलींग्र
ह्यरबालकंमुंचरस्वाहा ४ इतिचतुर्थमासि ४
रेभाउवाच पंचममासवरननकरोबालको

गविषाद सभप्रकारविधाविधकहो बेदोकोस
रजाद धन्वंतरउवाच सवैया पांचमासलगैज
मसुंदरपूतनाआनयसैतनसारो कुर्कटीनाम
जोपूतनाहैयसजानहोबालआनसवारो रोग
बधैजोमकेतनमैननहोदेहोकोहोसवियोगवि
चारो लछनवौहतनमहादुखदापकरोगमहादु
षकहवरकारो दो॰ कोंपतदहीणहापतनदी
रपोवनविशुद्धः बारबाररोवषिशुविसरजात
सभबुध मुषसूकैपांशो अधिकऊंचालेनउ
सांस जलबिनातृषा अधीकयोदुषमहाप्र
कास औषद बीजकवलकेआनकैचोषकी
जडपाप अर्द्धसघाडागिरकैपयकेसंगरगराय

बा०
१५

घुटीदीजैबालकोहोतबडीपरभात सकलरोग
तनकोमिटैसभव्याधामिटजात बली उडद्वा
कुलीआनकैलपसीताहाधराय आदरकरस
युककरतेटीताहाधराय अढ्ढाजसमदेबली
दछिणदिशलेजाय मंत्रपढैसयुककरदीजै
बलीदिवाय मंत्रः ॐनमोभगवतीकुकटी
स्मांबलीगृह २ बालकंमुंच २ स्वाहा ५ इतिप
चमास रंभाउवाच सवैया षष्टममासमहाअ
तिसुंदरतेगयसैबालकगृसजावै कौंनप्रत
नाआनयसैमहारोगकोमूलजोआपदियो
है महाअतिदुखीहोतनहबालकसाहब आप
होजानकचावै बालकरोगकहोसभआजजो

औंननिधिबालकंसुखपावै धन्वंतरउवाच
छुटेमाससमैबालकोलछुनमहाअपार सोसा
रेभुरननकरऔषदरोगनिषाद पंचजाना
मजोपतनाकरनोइननेरोग बहुतसोसरोवैः
धिककेहुकुपालसंयोग औषद बीजसंभा
लूआनकेआसगंदसमडार मिस्वजवायण
आनकेपयसंगरगडसुधार बालककोदिजै
जवीजानरोगनतुकाल बली तंदुलपाससंगा
यकैमुरगाएकसंगाय कुलथीमधुरासंगले
मन्मयपात्रजोपाय दीपकलेतिलतेलकाद
हिणादिशालेजाय बलीदेजोमध्यानकोसक
लरोगमिटजाय मंत्रः ओंनमोभगवतीपंचजा

बा० १६ नामइस्मोबलीगरवगरवमालकेंसुचसुचः
स्वाहा ६ इतिअष्टमास रोगउवाचः दो० मासः
सातवौंइवकहोबरनोविविधिप्रकार रोगः
धरैंआपवधैः बहुसुषपावैबाल धन्वंतरउ
वाच माससातवौंजबलगैगर्भप्रतनाआय
अबताकाबरनननकरुसभाविधकेहुउपाय
सीतलानामैप्रतनागर्भकरैजब आन महारो
गततमैकरैअबसभसुनोवषान बहुतरुद
नवात करैहोरअहारनहिंपाय तोउसकल
शरीरकोखेदसहातनजाय स्वासकोप्रबाधा
अधिकहोतलैनेनमिचाय ताकिअबऔषद
कहुजोमतीजोगउपाय बीजककलकेआन

कैकेशरमाहीसिलाय लवंगपाकनाहाडारकैः
पयकेसंगरताडाय घुटिदीजैबालकोसकलः
रोगमिटजाये पुड्ढकरोतन आपनादीजैबली
दिवाये बली उडदभातमहोरलोविपावकलीः
लेपकराय सागसोयेकाअटकरोनामपुदेही
धराय चंदनगंधसंगायकैदीजैधूपदिवाय
नैलतिलोकाआनकैदीपकनाहाधराय पात्र
मध्यपसधधरदहीगादिपालेजाय सप्रात्र
दीजेबलीसांझसमैलेजाय बालककेशीरः
सानवरदिजेबलीहुवाय मंत्रपठेसेयुतक
रछिनमैरोगमिटाय मंत्रः ॐनमोभगवतीसी
तलानामइदंबलींग्रहण स्वालकंमुच स्वाहा

सा॰
२७

इतिसप्तमास॰ ७ अथउवाच दो॰ अष्टमासलछ
नकहोसभीरोगवलीदान मेत्रऔषदसभस
हितअघटकरोपरवान धन्वंतरउवाच ल
गतेआठवोंमास यसतकरतहैपूतनाकरम
नमाविसवास मुसकलतैवालकवचैपुएए
करैहोरदान कारजानामैपूतनाह्वैनमैगस
तिआन वोस्फोटकरैरोगकोनामपूतनलाजा
न पारशीतलाकेकरोधूपदीपसनमान छा
कापडनादेनहीकरैवहुतसादान रूदनक
रैवालकवहुतवहुतग्राजननमाय सोसव
ऊनकेपतनअधिकसेवेनगातहोजाय मुखसुकै
नेत्रकुहुरहेनाकिवलीदिवाय महाकुष्ठकरो

तं॰
१

गपहताकोछोडउपाय छाबापडैबालकम
रैकीजैएकउपाय सवैया मेगवायसातना
उकोसोविधसेपोसवाइये सातसातकोप
लेचराहकेमेगवाये रजनीजोतेलडारकैउव
टनावनाइये बालकअंगलेपकेउतारकेह
वाइये दो० जवीउवटनालेपकेपूतलालेह
वाय नयसकसभपरनकरैदेसिंदूरचडाय
लौंगअगाडीरायकेजरदबलीलेपाय सातः
बारलेरातनोबालकपरहुवाय उसीवरावर
बस्रलेकराविचलेजाय जायकेसभकोगा
डदेसभीरोगगमिटजाय मंत्र उंनमोभगवतो
कारजा नामेरुदंवलीगृह्यं रखवालकेमुचस्वा

नथ

बा०
१८ हा ८ इतिअष्टमास रोगउवाच दो० नवमसमा
सलछनकहोसभहमसैपरवान उसबालक
कोजसनहैनामपूतनाकौन धनंतरउवाच
नवममासबालककोजबहोइ लछनकहुसुनो
सभकोइ जसनपूतनानीसकोआन रोगः
कहुकरोयोपरवान दो० कुंभकरणोजोपूत
नायसआन अंगअंग महारोगब्यापैअधि
कनिमषनछाडैसंग बारबाररोवैशिशुज्व
रअतिमहाबलवान पेटअफाराहोतहकों
सखोसकोधाम औषद सवैया बोलसुहा
गेकीआठरती जकुटपुनमासाएकहीडार
मासाहीएकजवायणलेमासाहीदोअमल

मासविचार अष्टमजबआये।पांचरतीफेरनारी
पयसंगरगड़सुधार बालककोजबदीजोपेउ
ख्मकरऔषदीसभिरोगनिवार दो० इशऔष
दकोरगड़कैकीजैपांचमताज रगड़दिजोपेवा
लकोहुत्नसभीवीआद बली बलीदानताको
कहुलेनंदलबनवाय करैबाकुलीलोबियाः
पीचडीनाहिरलाय मन्नपपाअसंगायकैदी
पकवनसोबाल मंत्रसहितजोदेबलीरोगध
टैततकाल पूर्वदिशलेजाइयेअर्द्धहोवैजब
रात बलीदीजीयेपुरुहोमंत्रपठैतिससाथः
मंत्रः ॐनमोभगवतीकुंभकरणीइमांबलीः
गृह्णगृह्णबालकंमुंचमुंचस्वाहा ॥ इतिनव

भा०
२५ मास ९ भाउवाच चौ० दशवांमासलगैसुनसा
मी। तीनलोकके अंतरजामी। सभप्रकारसुजषो
लसुनाको। मेरेमनकाभरमसराओ। धन्वंतरः
दशवांमासजबहोलगीबालकरोगशरीर
ग्रस्तपूतनाआनकैमहाकष्टगंभीर नामसीता
मजोपूतनाकरनरोगमहाबाल नेओंसदिषैः
नहिमहाउद्वेगबेहाल मातापयपीवैनहिंद
देपीडसभगात अवताकीऔषदकहुवली
मेजाएकसाथ आसगंधजडआनकैजडग
गेराएपाय अजवायणकोगरकैमीभिसंगर
गडाय घुटिदीजैबालकोसभीरोगमिटजाय
बली लालजीनंदलालकीजीयमछोमासधरा

तं
१

य दिवैलेदसाभूनकेउनकोतुरतवलाय कु
जीलीजेएकपैर गुडजोदधलेपाय पूर्वोदिसा
मध्यानमेवलीदेननरजाय मंत्रपढैनाहावै
टकेसुंदराचिनलेआय मैंननिध्यैकरदेवलीः
वालकरोगनशाय मंत्रः ॐनमोभगवतीनास
सीनामरुद्रंवलीगरघागरवालकंसुंचमुंचखा
हा ९० इतिदशमास रैभाउवाच दोहा मासएका
दशाजनलगेकौंनपत्रनाजान कहोरोगक्याक्या
करैहमसेतीपरवान धन्वंतरउवाच मासएका
दशाजवलगेवालकहोय आनंद नागसेउतन
पतनासिरैनमनकाफेद रातसीनामजोपतना
जवबालकरतोआन तुरतबालवेसुद्धहोयेति

बा०
२०

ऐसेमनमान कहुंनविकारआकारकैहोसौ
सबैहाल उईसौमननमैउठैकरनकेबेडेवा
ल नैननदनछिनछिनकरनकविसौंमनस
जाय गाफिऔपदकोजोयेरामनामसनला
य पीपलदाडिआनकैबडदाडीजोमिलाये
रगाडसिरउवसैगृदिजोयेमहाकैसेडेजाये व
लीजोदीजैपानउठमधुरामासससमान नंदल
नाकेमध्य धरदीपकतेलअनुमान दहिए:
छिपावतौदिजौयेसानछिनालगजाय कष्ट:
मिटैसभगालकोसुंदरमहाउपाय भेजऊौंन
मोभगवतीरात्रसीह्रंह्रंबतौगहगहगहभालके
सुंचसुंचस्वाहा ११ इतिगर्भकादशमास इंमाउ०

सवैया द्वादशमासनिचारकहोसभरोगकोः
नामकहोसमझाई पूतनाअंगकहोसभलद्द
णरोगकोनामकहोचितलाई कौनपूतनाऽऽ
नगसैहारकौनवलीघाहोसैत्रभताई सैताऽ
धीनसभीनुमलापंसमेरोसभघोहिमताई
धनंनसउवान दो॰ नामपूतनाकासुनोअघ
द्वैद्वादशमास जोजोलछनरोगकेअवसभक
हूपकाश सोरठा शिशुसोवदिनतीव महाजा
सहोवालकोउपजततनमैंखीस महारोगवा
घाअधिक दो॰ चंचलानामैपूतनासभचंच
लकरदेय बहुतफ़्लततनमैउठैभासैधतंन
रदेव महारोगविधाविधकहुंफलकेडलीला

बा० ४१

य बीजकरंजवा आनमधु विच मिलाय र
गड़ जटा मैं बालको सकल रोग मिट जाय न
लौः सोरठा फेरली जै हरिताल पे चगयासेयु
क्त कर फेर करबा बैरमान दीजीयेबलीदान
होरवल आगहुं दोहा फेर जो सहन मे गाय के
मोदक संग मे गाय दाहिए दिशा मैदेवली मे त्र
सेयुक्तकराय मंत्रः ऊँनमो भगवती चंडले
श्वरी इदंबली गृह्ण २ बालकं मुंच २ स्वाहा ११
इति बादमासबली औषध जन कि त्यासं एतो अ
थषोडशा बली औषदी मंत्र जंत्रि कि त्यालिख्यते
रंभाडवा न दो० बर्ष एक जब होलगे करनजो
रन नमाय सो बाका वरनन करी औषध होरउ

आ

पाय धन्वंतरउवाच वर्षएकजबहोलगैय
सतपतनाआय नंदनीनामैएतनाकरतेरोग
महाय ज्वरबहुतहोवैअधिकनेजमोचले
वाल अमलहोरअतिसारकामहाजोरवेहाल
बहुतदाद होतनविथैसुजलीनाहासमानअ
तितेषवैजानोसकलमहाव्याधकीयात औ
षद माजसा इमोचरसफूलधायकेल्पाय र
गीअफीममगायकरसुकिहीरगडाय मासह
हलेरालकोहोरसभमासेसात ७ दधिगउको
आनकेसभउसमैदेनरलात आनचटावबाल
कोअतिसारनरहाय सभहीज्वरननकामिटैः
सुंदरयेहितपाय वलो कवलबीजकेशरसहि

बा०
२२ नरोटीउडद औरभात तिलकातेलसंगायकैः
करदीपकएकसाथ होरउपर धरदीजीयेव
लीविचहरनाल मन्सयपाउंसंगायकैः पृठि
येमंत्रसंभाल दिजेवलीपूर्वदिशानेकनकोजे
ठाल सम्पराउलगदीजीयेपूर्वदिशासंपोग सभ
सुखउपजैमालकोलेतपूतनाभाग मेत्र:ॐन
मोभगवतीनंदनीहदंवलीगलुवगलुवालकं
मुंचमुंचस्वाहा इतिप्रथमवर्षेवली१ रोगाउ
पाव दोहा वर्षदूसरेविचजैयसनपोगनी
आन अवलछनउसकेकहोग्रघटरोगानिदा
न रोगानेधन्वंतरउवाच सवैया सालसुतोउ
वदूसराआवतरोगकरैशिशुकोसुधनाहीः

एतनायासकरैजबग्यानकैबोहतनवेकुछहो
बालकजाहै। शीघ्रउपायकरैनरनाहोकोऐसो
धन्वंतरदेवभनाइ दारुनकष्टमहाअतिब्याकु
लबर्नननरोगदियेसमझाई रोदनीनामकुमा
रीएतनाबालककोछिनमैयसजावै सोसकु
रैनपजारमहाअति यांसीउठैछिनदेखलावै
लालशरीरबनैजोसकोपुनहोमहाअतिभार
सेताबै दहिनाहाथकुरै हंसतावहुऐसही
रोदनीरोगजनावै जंगलजायेहोकामकरैसो
रख्याककोपातजोपीलामेंगावै ल्यायकसाय
नघीवजववहोउनकेउपरनाहाथूबलगावै:
संचलनमकमलायकवाहोमः कुलीपाकेजो

ना०
२३ हिमधपधराय गजपुरऔंचदिवायउसैवा
हिरुतरलैबालककोजोनृराय दो० सभमों।
सौभिरजायगिसजोयोकरैउपाय अतिसार
कोकहनहुसुनीयोचितलगाय अमलसंजो
ठसंगायकैनासघसीछिपाय रगडदोजीपेवा
लअतिसारभिरजाय वलो मतुबालीजेघोल
कोनासैबांडभिलाय कवलविजहेरलोवि
याकपडानाहाउठाय उत्तरदिशामधानको:
दोजेवलीदिनाय सप्तरात्रलगदोजोपेबाल
ककोसुषपाय मंत्रः उंनमोभगवतोरोपदरप
लोकुदवलोगहगहवालकेसुंचमुंचसाहार
इतिद्वितीयवर्षेः रंभाउवाच कवित्त लगेआ

नमौ जा सालकौ जे सभ ही सभ ही संभाल इस
मै ताकै रोटाल मैपु हु समझाय कै कैसे बोय
सन आय गुरु को दिजो सु नाय रोग को भनाय
कै होर बात सभ सुनाय कै रोगन को कनाम
पुत्रनाका कै थाम होवै अराम से जदी जै भता
यकै रोगन को अनेग संग कै सैहो अंग भंगः
कहे दोस भरंग अंग रूप हु को पाय कै धनंत
र उवाच दो॰ नमौ नीस राज नक हुं सु नो जो बा
पत रोग जौन यस तह पत ना कहु सकल संयो
ग धनंत नी नाम हप तन नाय सत बाल को आपे
ना किवि धवरनन केरु घट नरोग शिशु पाये
रूपन कैसो जै बहुत घाटिं तो हा भनाय थाटि

बा०

२६ पथममसाणकोहोवैवाकेसंग ताकोझाडाः
जोदीजीयेघटजारोगनिरोग मंत्रःझाडने
काः ॐनमोआदेशगुरांको॰ ॐनमोहनुमंता
य बलवंताय महामसाणकोबंताय जलका
मसाणथलकामसाण राहकामसाण बाटका
मसाण सर्वमसाणभस्मंताय हुंहुंहुंफटस्वाहा
अवनुमसुनीयोऔषदिघटनरोगततकाल
मासादीलेणलवादोमासेतेराल रतीदोपई
लापचौआसगंधदोमास वंशलोचनटंक
एकरगडैयुबहुलास नासमुंघावैबालकोज
लमेदेनचटाय रोगघटैजवलानहीदिजेव
लीदिवाय बलोःप्रुडेभातबनायकेरोटीखो

लधराय भगवानलोकिधूपदेमनमपपाञजो
पाय मैनत्रिलोका आनकै दीपकदेहजलाय
पंचगव्यसेवा नकोघोरतारकराय पंचरात्र
दीजैवत्तीउत्तरदिशामेजाय मंत्रपठैचितला
यकैसुदरयेहितपाय मंत्रः ॐनमोभगवतो
धन्वंतोइदंवतीगहगहवालकेमुंचमुंच
स्वाहा इतिजन्मनोयुवर्षे रंभोउवाच दोहा
वर्षेचतुर्थेकके कहो हमसेगसकलउपाय
वतीमंत्रपूजासहितसभघोभेदसुनाय ध
न्वंतरउवाच वर्षेचतुर्थेकेविखैसेहोतरोग
परवान ताकोतिष्येकरकहुसमझोमहासु
जान नामकुमारीपूतनानामहाचंचलाजोरः

मो०
२५ गऊस्नानकरवालकोमहाकामनहिकछु:
औरज्वरकेवालहोअधिकसुषसुकनहि:
सौस सुकजापततनसभाविकलमहाव्याधीप
रगास औषद सहदेवीकोन्नानकैकालोसिर
चसंगाय भंगरेरससंगदीजोपेसभज्वरछिन
मैजाय फल इंद्रायणाकेविजलेपिवलिंगो
रसपाय घनमवालचवाइयेमुषशोकन:
सिरजाय वतीपुडेलडुलोविधामनसयपा
नजोपाय सहतपीरऔरसागलेताकेमधध
राय दीपकबालेचारमुषतेलतिलोकापाय
धूपदीपचंदनधरैदाहिणादिशलेजाय जल
मैजापतरायदेलेनपूतनाभोग बलीजोदिजै

सातदिनलैतुरतघेरैसभरोग लेजावैसुधान
मैबालकपीराहुजाय मंत्रपठैपूजाकरैसक
लरोगमिटजाय मंत्र:ॐनमोभगवतीचंच
लेहसांवतीग्रह२बालकंमुंच२स्वाहा ॥इति
चतुर्थवर्षे ॥अथउवाच दे० कुलीदानव्याप
दकहोपूजाभेदसमान वर्षपांचवेंकेसभीः
लछनकहोवखान धन्वंतरउवाच वर्षपां
चवांजवलागैबालकतनदुखहोय रसकर
त ततहपोगनीऔनकहुसुनसोय नंदनीनामकु
मारीकावसतसकलतनआन बालतनमैपीडा
करैसोकीजैपरवान सवैया प्रतनाजोरकरैज
वआनकै रोगवधैकहुहोसनआवै सुकात

बा०
२६ जापमहाअतिव्याकुलरोगदुखरहुंसभता
है नैननस्वेतमहाअतिजलहोरातदिनावहो
निंदनआवै योगदिनोसमहाअतिव्याकुलता
होकोपठकरसंत्रहटावै मंत्रजाडेका ॐनमो
आदेशगुरुंकोः गुरुगुंगागुरुबावलागुरुदेवन
कोदेव जोतुचेलाचरासीपानाकरगुरुकोः
शेवः ॐकालीमहाकालीइंद्रकीवेटीब्रह्माकी
शाली गांवेकीकोठडीवज्रकेकोवाडजाहां
वैठहनुमंतवीर मेराहंकाकौनचलैभूतच
लैप्रेतचलै बावैनवीरचलै चौसटयोगनीच
लै सातपरीअर्काशकीचलै सातपरिपाताल
कीचलै हुपरीचलैस्यापरीचलै भैरोंमसाण

चलैचौसठ्योगनीचलै बाँवनवीरचलैभैरवा
लकपररक्षाकरैः नःकरैतोमाताअंजनीकोसे
ज्यपगधरै नैरैतोइपों चहत्यापडै राज्यहत्याबा
लहत्या गोहत्यागोत्रहत्याकुलहत्याअस्त्रहत्याः
येपाँचहत्यानैरैंतोईपडैश बदशाचापिंडकाचा
फुरोमंत्रो ईश्वरमहादेवकावाचाफुरै फुरोमंत्र
ईश्वरोवाचा इशमंत्रकोपठकैपहलैसिद्धकरै
जपकेहजारदश १०००० फुरोडाद्यसबरोग
जाय अथौषद दोहा एकसुपारीआनकैगरु
माहामिलाय गुडजोपुरानामैलकैबटीनाहाव
नाय प्रातसुबानैबालकोमामपनघृत्तकेसंगः
सकरोगव्याधामिटैहोतरोगसभभंग कलोचो॰

चौ०
२७ अंडाककसुर्गीकाल्याक नाहीसंगमधुराधरवा
व चरखापिडालेहवनाय सातभांतकेवलध
नय लौंगइलायचीहोयफलेल दीपककाजलधो
निलतेल फूलपीतहोरक्तमंगाय मधचावल
करकैजोपाय सहनकाककचौमंगावाय॥
सभीवस्तुलेविचधराय लडुरोटिसतुधौरवा
मैधरैनलावैढोल बालकपरकोतेदिढुवाये
पूर्वदिशामैजोदिजैजाय जलमैसहनकेदेय॥
निताय योगनीटलैरोगमिटजाय मंत्रः ॐनमो
भगवतीनंदनीनामइदंबलींगह्यगृह्यबाल
कंमुंचमुंचस्वाहा इतिपंचवर्ष५ रंभाउवाचः
दो० अष्टवर्षलगबालकोरोगजोहोयशरीरः

बाको तुमबरननकरोकरमनमेननबीर धनं
नरउबाच अहबर्खजबहोलगेहोतब्याधशि
शुदेह सुधबुधभूलैबालसभपहलैलहाए ये
ह कोसदीनामजोपतनागमलेबालकोआन:
अबज्वरकोबाधाकरैहोरअहारदरसाए बा
रबाररोवैपिशुनैननधोलैबाल भोजनकछु
भाबैनहिललहाएमहाकुचाल औषद चो० अं
मलमासनोलाएकल्याब नोलाहडैबडीमिलाब
मासाथोलसबहागाडाल पाबसर जलमैगेरउ
बाल नोलानीनसहनफेरगेर आटटंकजल:
रहैउनार छाणजबिबालककोप्याब उडबि
कारसभिसिटजाब चंदनहोरउसोरमेगाबना

बा०
२८ मधएककइलायचीपाव सोलाजीनमासादोडा
र रगडबालकोदेनिरधार गतो दो० सतमास
हैरलोनियाघिचडीदुग्धमिलाय पुडीयामात
मंगायकैलोहंडोयामैपाय उपरपुडेपाँचधर
लपसीविधरलेय दीपकचारजोबालकैद
दिशादिशमैदेय बलीसातदिनदिजीयेआहा
होतपरयाव मैजपरैसयुक्तकरबालकरोगन
साय मंत्र:ॐनमोभगवतीकुमारीकोमरिदरं
बलीगृह्णगृह्णबालकंमुंचमुंचस्वाहा इतिस
प्तवर्षे ६ रंभाउवाच दो० सप्तमवर्षलगबाल
कोबयाबयाकरतउपाय कौनपूतनागसहैजस
बदिजबनलाय धन्वंतरउवाच कुमारीहेजो

गनीकरनमहाउनपान लुंछनअवसारेकम
हाव्याधदिनरात थांसोस्वांसहोवैअधिकउ
लटैदुधानिलान अन्नखपैनाउदमैमहारोग
कोजाव औखद बीजकवलकेआनकैगार
खमुंठोपाय सहदेवीरसडारकैलोरगडाकर
वाय थानजोरिदजैबालकोसकलरोगमिटजा
य वलीचो० नेहुलपीलेआपकराव नासुगी
कांडाधराव कनियरफलसंगावैसात दी
जैवलीवडीपरभात शुद्धहोयस्नानकरावः
पंचगव्यसैबालन्हुवाव दसोंदिशादेपतनका
ल सकलरोगकीहोजाटाल मंत्रःॐनमोभग
वतीनाचवेदाकुमारी इदंवलीगृह्णगृह्णवाल

वा०
२९ केमुंचमुंचस्वाहा इतिसप्तवर्षे७ रंभाउवाच
वर्षआठवेंकेकहोसभीरोगसमझाय सभसे
शामिटजामेरावालकहोतउपाय धन्वंतरउ
वाच वर्षआठवांजवलगैमहावालकोपद
अवनाकामकसदकहुरोगउपावनभेद नं
दनीनामकुमारीकायसलवालजवजाय महा
रोगवाधाकरैनाकोकहुंउपाय सीतलपहस
भहोतहैमहाकष्टकोधाम पेटडफाराहोअधि
कमहाअस्तलअभिराम: औषदचो० सुंठसह
गाहींगजोल्याव ताकेसंचलविचरलाव अ
ईकरससोगोलिकरडार चणाकप्रमाणजोक
रोविचार गुलाकंदतोलाभरल्याव मासेचार

सनायपजोपाव उनकाडायष्टजपकाव उपरपाँ
चमनकापाव आयदसेरजलदेपजोपाय उस
जलकोतुमघोहोपिलाय दसलगेजवप्रात
नसाय उपरतेवटोलेपाय सभीरोगननको
मिटजाय कलो सोचडोसागतुरतकरवाव
नाहीकिचजोलोविपापाव मछोसोलताम
धपधराव तामेदीपकचारजलाव हांडीमेध
रकैलेजाय ददिशादिशजोवलीदिवाय तीन
रातोदीजेवलीदान रोगनसैयह निश्चैजान
मंत्रः ॐनमोभगवतीनंदनोइदंवलीगृह्णग
घबालकेमुंचमुंचस्वाहा इतिश्रीअष्टवर्षे ८ भा
उवाच दो० नवममासजवहोलगैबालकव्या

बा०
३० धाहोय कहोरोगकैसेकहै हमसैसुनिजसोय॥
धन्वंतरउवाच नवमेमासकै बिचमेकरत ए
तेताधान अवलदाणाताकेकहुंसुसमाज्वरसु
पसाप हौसनीनामजोपूतनाअसतजबिसुत
आप येलदाणाहोजातहैकेकहुंसभोसमझाय॥
ततमैपीडाज्वर अधिकसेकसभितनजाय॥
खांसी निंद्रावहुतसोएतेरोगउपजाय अतिसा
रनस्ना अधिक उपनरोग निदान ताकि अव
औखदकहुहोनरोगकिहान औखद चोन्हर
डैबडोनिंबोलीबीज मोषेसमकरल्यावैरोफ
कवलबीजनामध्यमिलाय सभतेआधागेरू
पाय काडाकरैपिलावै आन तुरतदुःखकोहो

जाहान गिलोयपत्रीसजोधनीयालेय नाहिस
मजोसुंठधरेय बेलगीरीसोणेनेत्रबाला भेळा
चरायनाकुडेकोछाला चंदनवहिजडपधा
य येसभससमाआलेराय दरडाकरकाडाक
रवाव देवालककोतुरतपिलाव रेगघटैसुः
खहोयशरीर महाव्याधहटजागेभीर बलीः
नेंदुलतलालुकरायकैपुष्पपीनलेआय मुगी
कांअेडाधरैलडुपांचधराय लौंगइलायची
दीपलेधूपकरैमनलाय पुडेपांचवनायके
उपरदुधजोपाय मंत्रपठैदशबारहांपूर्वेदि
शलेजाय बलीदिजीयेस्यामकोसकलरोगः
मिटजाय मंत्रः ओंनमोभगवतीह्रींसतीनाम

बा०

३१ इदंबलौगसूगसूबालकेमुंचमुंचस्वाहा इति
नंदवर्ष ५ रोगोउवाच दो० लगततर्सवेंदशाबा
जविबालकहोतअचेत कौंनगरसहैपूतनास
भिवताओभेद धन्वंतरउवाच अर्सलगदश
बाजविपेहोतातननरोग नामरोदनीपूतनाक
रतमहाबियोग नीलबरनहोदेहकोहुचकी
रोगबिचार गातसकपिंजरवनैयेनिश्चमन
धार औषद चौ० जायफललौंगइलायचीला
व नयपत्रजनकुटनापाव केशरनागपिप
लामूल तजचीतासीश्रिसमतूल कणतमा
लउंटगणजान सुराशानीकुलेजणआनः
अजवायणजडहोरपतीस ककेराहोरजोबहु

फलीस मोषे बिड़ंगीजोचंदनसेत समुद्रसो
षपरोघाडेलेत दोदोमासेसभलेआय अफो
मजोमासाएकमिलाय करगोलीअडकरस
पाय गोलिबांधचणाप्रवान पोंतसंगजोदी
जेषान उच्चकीरोगसभिमिटजाय पुरुषकरै
दुषदूरनसाय वली चावलहारलोविपाः
ल्याव षोचडीहारयिल्लामंगवाव दहीएः
दिपावलीदेजाय दीपकनामेधरवलवाय
मंत्रः ओंनमोभगवतीरादनीइदंवंतीगषगु
षवालकंमुंचमुंचस्वाहा इतिदशावृक्षः१० रं
भाउवाच दो० वर्षएकादशजवलगौउसवा
लकोआय कौंनरोगइशाननाविषैदेनहव्या

बा०
३२ धलगाय धन्वंतरउवाच सवैया कवितासु
नवानविचारकहुसभरोगकहुनिदानमन
लाई अंगकोभेदाविचारकहुसभरोगकोना
मकहुसमझाई पूतनागहकरैजबआनकै
जोमसगुढ़हींयैंसउपाई भेदसकलसभवा
लककोसुतियोचिनलगायकवातसुनाई
बालनीनामहपूतनाकासभवानकहुंऔर
रोगजनाऊं यैहिबिकारमहानअंदरतो
कोसमंतरहुजासनाऊं औषदभेदकहुंति
सकोगुरुआपनेकोमैंबलहारीमजाऊं दोहा
पानसंभालहुआनकैकहतरनामिलायरस
कंवारकाडारकैनाकोलेननपाय उसमउसमः

कोबांधियेकाँखपीडसिरजाय नाकोमंत्रः
सैकीलीयेतनबांधानरहाय आलुबपारा:
आनकैजोराखेतअसेत सुखसैदीजेबालके
तस्मारोगकहेत तस्मारोगइशनैमिरैसमझ
नारसनभाय आगैहारडपायकेलक्षणकहुं
सुनाय मंत्रकछ्वालीका: ॐनमो आदेशगु
रौको कामदेशकमच्छादेवीजाहावसेअ
समायपलयोगी। मधकछ्वालीर्भेदलातोनो
।एकहोसंग हनुमानफिरकारतेमारकरैभ
स्मंत शब्दसाचापिंडकाचा फरोहोमंत्रइ
श्वरोवाचामहादेवकाशब्दसाचा मंत्रसिद्ध
करलेयजपहजार २० फेरजाडादेयसिद्धपा

बा०
३३

य अपवली कोरापात्रमें गायकै दीपकता
हाधराय पीलेतंदुलकोजोयेहोरजोलपसी
पाय पीपलपत्रेलायकै होंसो नाहाधराय:
दहिणदिशाबलीदिजोपेसभसैसै सिरजा
य मंत्र:ॐनमोभगवतीकुमारीबालनोइदं
क्लींग्रहग्रहबालकंमुंचमुंचस्वाहा इति
एकादशावर्ष: रंभाउवाच सवइया द्वादश
वर्षेलागैजब आनकैरोगमहादुखहोतअतो
तो व्यापतरोगमहा अतिव्याकुलरोगकहोक
रकै मनप्रीति एतनाभेदकहोहमसैसभमंत्र
बलीदिशाबालपरोति एवकहोमनलायक:
वालक जैसेहो गेयनमैहरोति धन्वंतरउवाच

दोहा आहलौ नाम कुमारीका सोइ पूतना जा
न गुभ आन करै बालको हात रोगको पान चौ०
बहुत जे भाइ बालको आन बहुत हसै अका
शदि पान नैनन सैना दिपै कोप महाकष्ट
काबा धा होय अनताको मक हूंत पाप कर
निष्फ मन इशमैलाय औषद हकुनतफला
तुरत मंगाव नासै ढो दिहर ड पाव जा केत्रौ हो
रलौंग मंगाय होरजाय फलगेरा लपाय कूट
रगड करस भछुणा वाय बिच हिंग ज्या दार
सपाय बहिरनौ दोयपधमा णपौंन संग जो दि
जै पान या तरोग सभा हिसिर जाय इया तैड
परना हिड पाप बलौ औसमनी काभा तबता

व घटजबरालेसाय धराय रोटिलो विपाध
रैउवाल तिलहीतेलसंग दीपकवाल फूल
चेबेलीदेधरवाय उपरलौंगइलाय चीपा
य नैक्रतदिशावलीदेजाय साफसमेदःख
दूरनसाय मंत्रः ॐनमोभगवतेआलणोद्द
देवंलौगगरघगुजवालकंमुंचमुंचस्वाहा इ
तिद्वादशवर्षः १२ रंभाउवाच दो० वर्षतेरवें
विजमेकथाक्याहोतउमंग सभरद्दाकहोबा
लकोसिरतसकलतमनभंग धन्वंतरउवाच
सवैया बारैसालकहेसेपूरन तेरवौंसालक
ठुसुनबाला जोमनविचविचारकरैकछु
रोगकहुसभहीयरहाला औषदरोगउपाव

दो

कहुंसमसेमनकोमनमोलकनाला। बारंबारक
हुसमकायकबालकवैरिहपालगोपाला। दो०
धनदानामकुमारीकाअसनबालकोआय। हा
यपोंवककपेसककलअतिसारहोजाय। औरवे०
वेलगिरीकीआनकैगुठलीऔरमिलाय। मा
जूमाइसोअरसरनोफीसमलाय। धायफलरस
पोसतसोंकोजेगालिआन। ताजेजलसंगदीजीये
जबबालककोंकोआन। अतिसारमिटजायसभहा
पेरपेभजाय। कहतधन्वंतरसत्यहैसुंदरमहाउ
पाय। बलीरोटीखिचडीभातलेफलफलेलध
राय। धरणीदेहरिनालकोमहनमयपाअजोपायः
पूर्वदिशादिजेबलीसंध्यासमैजोजाय। मेजपढै

बा०
३५ चितलापकै सुंदरयेहिडपाय मंत्रः ऊँनमोभ
गवतीकुमारीकाधनदानामनी इंद्रंवतीगृह
गृहबालकमेतुमंजमाहा २२ इतिऊयोदशः
वर्षः रेभाउवाच दो० पूतनानामकहोसभिरोग
गृहकहोहाल बालककिरहोकैस्यवकहो
कउनरिसाल धन्वंतरउवाच सभिरोगवरने
नकरू यथाशक्तिसमबुध सभगवाकुलमारो
गकीबालकहोतविशुद्ध कुंकुंमीनामकुमारे
कावसतबालकेअंग आननकोव्याकलकरै
होरोगमहाअतिभंग चारदिशाबालकसकल
देखैचीतलगाय वेगः जोरहोपवनको वाईम
बलहोजाय सुनपातबोलैनहि हो:असाध्यः

अहिवाल नाउपावउसकाकछुबलीमेंचक
छुनाथ नाकीपूजाकिजोपैहोरदवावैदानः
मृतुंजयकेजपकेरेजबहोवैकल्याण गंगाः
जलहै औरआदिमेंअरामकोनाम कृपाकरैआयु
बधैशिरपैश्रीरघुनाथ हरिनामसिमरणकरे
आठपरदिनरात्र नहिमेंचनाहि औरआदिनाहि
बलिएकदान उसकीरक्षाकरनकोआवैंगेभ
गवान मंत्रः ॐनमोभगवतीकुमारिकुंकुमी
नीइदंबंलीगृहगृहबालकंमुंचमुंचस्वाहा
इतिचतुर्दशवर्ष १४ रंभोउवाच चौ० पंचद
शवर्षलागेजबजान कहोसमिइद्राकापरवा
न क्याक्याहोतरोगतनमाय हमसेतिसभक

बा॰
३६ होसुनाय धनंतरउवाच सुनोप्रियासुनशाचो
बातो कहुंसुनोयेबालकहानो कहुपतनाजो
नसोआव बालककोछिनमगसजाव हंस:
नीनामकुमारिजात ग्रसतजबिबालककोआत
पेलछनकरदेहिनबिच महारोगव्यापेआतित
च बहुसबायगोलेकाजोर नपदालगारहसमहा
कठोर तिसकाजोरअफारहोय आगैनाकु
रहालकोय औषद अफलानकुटाचोनाल्या
व मोरशिषाहलदिरसपाय लौंगइलायचोर
जायफलडार नामैबीजभांगतिरधार येओ
षदकुटकैछाण अढकरसकरवटीआण बा
लककोदेचणकप्रमाण आदेकेसंगदिजीये

खाए पहलदिजोयेदसादिनाय सर्वरोगव्याधा
मिटजाय जुलाब दोसमनकाहोरकुलकंदहार
नसोतसनोयसुचंद अमलतासलेतुरतमंगाय
वडीहरड़कोवकलपाय अंवलीलेकरजलभी
जवाय सभऔषदकाकाढावनाय गोलातोला
भरसभलेय काढाकरदिजेछाणाजाय उपरतैः
अमलतासजोपाय अमलतासपहलैभीगवा
य उपरअंवलीकारसडार पहलकरमुंजसको
त्यार जवदिजैकाढाकरप्याय दस्तलगैंचीताः
मिटजाय दो० मठीमाससंगायकैलेसिंदूरल
गाय पुडेपौंचवनायकैसहनकमैधरजाय
जिसमैदीपकवालकैदहिणादिशलेजाय दो

बा०
३७ जैबलीम ध्यानमैबालगस्तभिरजाय मंत्रः ॐ
नमोभगवतीकुमारीहंसनीह्रं देवलीरक्षरक्ष
बालकंमुंचमुंचस्वाहा इतिपंचदशावर्षे रेभाउ
वाच दो० वर्षजबोषोडशलगेकौंनरोगकोवे
ग करतिप्रेमसनमैकहोबालकहोउद्वेग धन्वंत
रउवाच सुनोचकित्साबालकोजोजोरोगशरीर
अवताकेबरननसुनोहेरघरोमनधीर नीलको
नामजोपूतनाकरनबालकोषेद बिनायंपजा
नेबिनानापावैकछुभेद तापःदाहतनविचहो
सभकंपनफनगात जगतनआहारशरीरसमभ्रम
रोगउत्पात औषद धनियानिलोफरसहितसों
फजोजीरापाय पोंचवोगेरगिलापसुनकाथः

करकैप्याय पुनः बांसाछारमैंगायकैहोरकैरक
लीछाल निंबछालकोआनकै अंबलीछालवि
शाल होरगिलोयकोडारकैकाढाकरकैप्यायद
हमिटैज्वरजातहैसुंदरमहाउपाय इसाविधका
ढाकिजोपेउपरसहजउपाय पीपलाकुतुका
पकैदेरनलावैवीर सकलरोगमिटवालकोशी
तलहोयशरीर बलो दुधभातखिचडीसहित
मधुरामासधराय दिजैबलीजोप्रातउठघृत
दीपकबलाय दक्षिणदिशाबली दिजोयेतो
नदिनापरवान मंत्रपठेनाकिसहितहोतरो
गकिहान मंत्रः ॐनमोभगवतीसीतलानील
नीनामइंदबलीगहवालकेमुंचमुंचस्वाहा

षा० ३८

इति षोडश अवर्ष मलीसंपूर्णं ॥१६॥ अथ सर्व मसा
ण कथनं घारिके बैठे येत्र मंत्र: प्रथम मसाण
मंत्र: ॐ नमो आदेश गुरु को हरिया परवत ते
से हनुमंत आया हस्तगदा गो जत आया उत्तर
पुलटता आया परवत पान उपाड़ता आया लो
हे का कोट बज्र के कीवाड चारों घूँट जो बंधु:
जाय तिसमै बैठे हनुमंत बीर पूर्वका देश बंधुँ
पछिम का देश बंधुँ उत्तर का देश बंधुँ दक्षिण
का देश बंधुँ चारों दिशा का मसाण बंधुँ अजा
सुर बंधुँ भैंसासुर बंधुँ जल का मसाण बंधुँ थ
ल का मसाण बंधुँ रुख बृछ का मसाण बंधुँ।
प्रेत कलाण का मसाण बंधुँ चलै देह लौका

मसाणवंधुं अचलीयामसाणवंधुं चलीयाः
मसाणवंधुं हडफूटीयामसाणवंधुं मगीया
मसाणवंधुं चिताणीयामसाणवंधुं षपरी
यामसाणवंधुं कौडियामसाणवंधुं गुडली
यामसाणवंधुं ठिकिरीयामसाणवंधुं माव
सचौदशकामसाणवंधुं होलिदिवालिकाः
मसाणवंधुं गर्भसटीयामसाणवंधुं जल
कीजोगनीवंधुं थलकीयोगनीवंधुं पाता
लकानागवंधुं षवीसवंधुं परीवंधुं चडै
लवंधुं आवणवंधुं जाणवंधुं हाडहाड
वंधुं रोमरोमवंधुं वालवालवंधुं ईश्वर
महादेवकीदुहाई शब्दशाचापिंडकाचाफ

बा० ३९

रोहोमेजइश्वरमहादेवकावाचापुरैः पहले
मेमंजपलेयहजार २० फेरजाडादेय १ छ्टी
सभकारमसाणजाय इहकनिमसाणमेजः १
अप्पचारोदिशादेव । लगैहोनिसकाछलाम
दोहा अतिहसैरावैअधिककनिमछहोय
कछिडहैननफूलबहुगस्त चतुर्दिशहोय १
उपाव मनुजपकेजपकरोहोरकरोकछुद
न झाडादिओमेंअसौहोनरोगकेहान अजा
मुरगमछलाणं अतिसोबरोबनतहिकबिक
बिलेनडसोंस रक्तजानगुदासेवहपोनाजोव
नकोआम उपाव साननाजकापूननानुरन
कोजीयेआन रोटिकोजैउडदकोनाउपासैः

नाजान बालिसानहु बायक पूर्वमेंजोजाप
रोगघटैसभबालको तुरतमिटैतनताप २
भैसासुरगलछुलत भैसेकोसमतनबुलैः
होतमहातनदाह होतबाजअरुतनविथैपे
अतिरोगविकार उपाव लेरसौतचंदनसही
तवशहीलोचनपाय गाडादीजेमेजसोफिरः
देतरगडकैपाय अथजलमसाणलछण २
नौहतनतथाजलकोलगैहोततीक्कणीबालः
रोवतबरणाहोदेहकाबालमुरैविनकाज उपा
वः सहदेवीरसआनकैअदभिरचलेपायः
तुरतपिलावबालकोसकलरोगमिटजायः
अथमरुसवदसमसाणलछण आठपहरतप

बा०
५० ननिसैकमितनरचडजाय अतिसारहोन
नविसैकोजेनुरनउपाय औखपडैअतिसा
रहोकढिनालखेनहोजाय दर्दउठैअतिपेट
मैकरऔखदमिटजाय औखद कुसमधाय
माजुसहितहोरमोचरसपाय माइंडुजवः
आनकैघुननरेरगडाय बेलगीरिसमगरकै
समपोसतडोडेपाय कूटछाणचूरणकरोता
जेजेलसोआय रोगमिटैजवबालकोतीन
टंकपरवान ह सातदिनालगदिजीयेहोनरो
गकोहान अथघेनमसाणगप्रलछण भ
यनहोवैवालकोअन्नवहिमनभाय हरिव
लदैसैवहुनगुनिजनदियोभनाय उपावः

फल्कसपारीसीपकोहारकौडिकोहार बालक
जायचरणपदेसभव्याधामिटजाय अथबु
लेदेहलीकामससाणाग्रसतल॰ स्यामबरनसः
कैघनापरनददौरेगात्र सुरंडबहुतमोटागि
रैकरनबालककोघात उपाव: मंत्रपठैपूजा
कहेंरदिवावैदान म॰ ओंस्तुंजपकेजपकरैजे
वहेवैकल्याण अथबलीयामससाणाग्र॰ १
मासीजोसकीरहैगुदागडाहोजाय अबण
जोकोमलजाणीयेनाममसाणतुमजोय उपाव
वैसीमटिआनकैबणुबावीजमिलाय: श्रा
णागुडजोमेलकैतालकेउपरलाय पातआन
कैआककेमणुकैचोपड: धोव रसउनकोहै

काढकै नताकरकै पीजै चौ० पातेकामिलपा
तीलेय बालककोसभसंधमलेय नमवीसें
कोजोतुमलाम्रो रेंचककेकीनाशदिवाम्रो
मेंदओरवशिरसहितहीएको कहयन्वेनर
रोगनसैगो अथमसाएधूलियाआकाशयोग
तीउत्पतिप्रकारलछरा चौ० योगनीजबकर
तीबलेआइ औचलपीनतहककछुनाही ए
कसहितेलगबलहोई उपावकीजैहैसभको
ई दो० तीनमसाएजोहोरहोइश्यागनीबल
माह पितीयाहोरहडफरियामगोयादियाभ
नाय ताकेअबलछरा कहुंतीनोराकसुभाव
मगोयासेउतपतहककजमशाएसुनाव ल

दोहा = कौंननरमहोरकलमतीसीतलहाथः
होरपौव बालककोयहरोगहोतामसमापर
भाव सूगीयालदोन हाथपोवफटतरहेकौ
नेसरदहोजाय औरवसिचबोतेनहिसूगीपा
दिपोभतय कछ्यामसमालनदोगा उद्धवियेअ
ग्निबहुतहाथपैरहोस्याम परतदपैरदेहमै
कछाजानोनास उपाव चौ॰ द्विजेनासमोपे
कौल्याय ननापाणी कटु मिलाय ननापाणी
जबायणादेही नाकिकहिनासपुनयोहि दो॰
आधिसिरचरलायकैनाशबालकोदेय वि
नाजाणलेणीनहि जोजाणैसोइलेय उक्सः
बारिसंगदिजोपेसकलरोगमिटजाय पुनः

बा०
७२ कैपैछिरहेरपाँवनेत्रहोखेतहो अकाशप
रियसजायपेजाणोभेतहो तिसकाकरोऊ
पावतुरतसंकटकरै करोविधिसेपुकरोग
सारेघुरैपुनउपाव सवासेरगेहुंतुमलेहो:
नामधबीड़ापाँतधरेहो सातपतासनामध
रो अकाशपरिकाभूपसतकरो होडिविच
धरोघरमाह सातभाँतकीपोगतोजाय ए
कसराबीकोरिलेप दहिभाततामघ्रधरे
प बालहुवायमडेरेराषो सातपलीतेदि
तमैभाषो कोरदिवेहीसोबालो कडवाते
लदिवेसैडालो जासेरोगफिरआवतहो:
लीपकरपंजगलमैबांधो रोगघटैतिसकें:

यै भाषो अथ बिरागीयाभसाराग मलदाराम
अथ जो ज्वरको अभा होई पिछ जीव वरासाहो
ई ग्रीवा फेनसुषआवै छाग ताको है बिरागी
वाकि लाग नेत्र फेर राषै जोपसार भगौ धन्वंत
र रोग अपार उपाव = मौसला कतुरतसंगवा
व आगिन जलसेपंअलिषाव तियकरयंत्र
गलैमैराष जायरोग धन्वंतर भाष चारहाक
पडासंगबाय ताके चारोंरंग कराय नीलापीला
स्यामसपेद सातपुडी काराषोभेद सातहोसि
रसोंसातहीदाष नीलमणीकचनारहोरलाष
सारिअसूसमफउठाय गमनकोरोउतरदेश
जाय कदलीफलकेनिज ठहरै योयमपारो

जा०
६३ लौंगदशाधरै महदिकुंकमसनुरोदेही जाघस्मा
हिदेधैलछुनयेही दो० जोबालकजागेनहि:
जागनहीबिललाय औचनकोपीबैनहिना:
का:करोउपाय करूनधन्वंनरयसहैयोगनी
चक्रफिराय उपाव जो० कंकुमहरदिहोरअ
मंजीर बगाबा:चर्योलाबोचोर जलकेनिक
टलेयकरधरे नवबालककोरक्षाकरो अ:
यपरिमसाणगसछलने दो० हाथ्यपांवकोना
डीयामभठीलीछुटजाय। औबाकोपफेरवहु
ननाहियसवनलाय उपावजो० सानताज
बेसीकिमाटी तिसकोपिसाउलटीचाको। ति
सकाधननानुमकरलेओ नेजमाहिदेमानिद
ताम:
६३

ओ कचाकरनासानहोडुक लौंगचारहोरतो
नहीमेष कपडाचारगजचारेरंग नामधार
कनालीयरसंग सातकुलेकापाणीआणो सात
रपकीपातजाणो नंदकनारैलेकरधरे पुत
लेउपरतिलककरे नापतलपरकोलकरे ओ
मेउसहितसयुसतहुलावे इसीरेगकायेहिउ
पाय कहधन्वंतररोगनसाए अथमसुककी
डिपामसाणलछन दो० नीरीयाहोत अधानसे
मुसुदससपडजाए बालकछुपाजाणीयेपीक
पडेननसाए फनसोफोडागभमेमहाअगनि
होजोर जनमतहीछुलजायतननहिरोगछु क
ओर लछनमस्वनस्यागुडलीयानामसाए

काहाल हाथपांवसूकेरहैमुखचैचलअहा
र नौहीबालककुछपालगोहोरनकहुवीकार
ज्वरमाहिसूकनरहैताकोदहीमसाण हाथपै
रगोडथकैताकोगुडलीयाजाण चौ० दोनासू
दवैनजवलेहि चुपकरहैनदुधीपीवैहोयो
गनीचऊलगोजवजान सकलरोगकाकहु
वषान तुरनबालकाकरोउपाव ताकोबाल
जीवाचरास नामकछामसाणहजोर करउपा
वसमझोकहुऔर उपाव चारहाथकपडातु
मलेहो ताकोचारोरंगकरेहो मानहोपुडीदाब
सीरसाहो तासैसिरसोगेरोराइ मानपांडकोः
शीरणोलेय मानजापफलनीनलौंगधरायः

सातनाजकापुनलाकरले सारिवसत्तविधिसै
धरले मेजपठेजोकुमावमात तुरतमसाणाजा
यततकाल भयोधन्वंतररोगनसाय प्यारिनाक
कुहोरउपाय अपउनमठिकिरोयाअतिस्यम
माणकथनीयं गर्भभदोयामसाणकुलमसाण
लतण चौ० जोव्हालालफणागणोदेहो नाकोवा
लकतुरतमरेय उर्द्धबाँसहोरतजैअहार जाणे
संदरोगनिरधार पुनःपरिहासछंद परैददौंगा रे
नकुलसमजाहो लालसंगरेअंगयेहिपरभावहो
अतिसारतनथायसेतविहाइवै ताकोजाणस
साणधन्वंतरयुक्त है उपाव चौ० पहलेवरतउत
केकरै मापाकैदोघडियाभरे भरदोघडावालक

बा०
५५

परधेहो उत्तयोन इशविधकरेई जोन अतीत
जमावचार चौसटयोगनी मंगलवार नहि गर्भ
हीकी रक्षाकरै सभवोमसाणसै बालकटरै कु
हमसाणपीपलकीसेवा पार्थिवमहादेवकी
सेवा इशविधबालकरक्षाहोई जीमैबालम
रै नहिकोई लिखकरयेजलेगलेवं धाव काम
छोडदिनप्रतिहनुमान अथकुहमसाणगुड्तो
पेकानागा: ॐनमोआदेशगुरुको गभंधेमेगुरु
नाथ्यंभाई नाकिरीहाबावतीकरै गोरेंका
नागाकञ्चासूत डोराकरैमहादेवअवधूतमा
ताकालहुपिताकाबिंद लोहेकाडंकणावज्ञका
वाण इशविधगर्भकीरक्षाकरैहनुमान मेरी

रास:
५६

भक्ति मेरे गुरु की शक्ति: फुरो मंत्र ईश्वरो महादे
वकी वाचा फुरै वाचौ कै कुंभीपाक नरनमाप
डै शब्द सांचा पिंड कांचा फुरो मंत्र ईश्वरो वाचा
नागा लेय कै मंत्र पढ़ कै एक गांठ देय या विधि
सात गांठ देय कै धूप देय कै गल मैं बांधै: सर्व
रोग जाय मंत्र पहला जप करा सिद्ध कै हजार १०
अथ षपरी या मसाण को षमसाण लहाण दो॰
कोप आन जी सपर कै यस तबाल को आन:
जी भवाहर मुष मे रहै अतीसार बहु जान औ
षद हलदि एक बेन आन कै मोषै ताही मिलाय:
अडव जवाय ता मे जल तुरा सहित गुड जो पुरा
ता पाय। वटि जाडि केरस मदिन इकीस तगवा

बा०
७६ मंत्र जपो आगे कहूं सुंदर चित लाय अथ मंत्रः
ॐ नमो हनुमंताय बलवंताय वज्र तोड़ताय:
पर बत पाखान उखाड़ताय हैं मारन तेरे शिर पर हनु.
भरे माल काहा लगाई आनो बार कारी बिलो:
लाल पड़ाए लाल बधा राजो मचकठ आई सोत
लामसाणी डसाकिया मसाणी धरईया मसाणी
घुमिया मसाणी कलेजपेट मसाणी सोई पास मसा
णी सुकिया मसाणी कोटिया मसाणी सोई पास
साणी सोई सोई आवे सोई सभ्रा हि सोई हनुमंत
बेध कर त्याव भरी आवरी तो जाय वशा पिंडकी
हनुमान विठापाय कर त्यावे मसाणा दुख नेडै
ना आवै मेरी भक्ति गुरु की शक्ति फुरो मंत्र ओई

गुरोवाचा महादेवकी वाचा फुरै हनुमानबज
रंगजती की वाचा फुरै: इति मंत्र: पहलै मंत्र:
सिद्ध करलेय जपै हजार २० फेर फाडादेपसर्व
रोगमूसाणीनस्पति
अथ होलि दिवाली
कामसाणागहलेलहै
रो दोहा जबमनही
सकनरहै पिछसक
ननजाय बिसहरोज
जाणीयेगुदाजोरकै:
नहाय चारोलहैदेय
कैजोलास्नेनजोहोय

न

[illegible]

ॐ ह्रीं	घोर	दासो
क्रों	रहुर	रक्षा
ता	ता	ष्ठ
ष्ठ	ष्ठल	हुं हों

बा०
८७

जिसही चोपर जाणी यो कहत धन्वे नरलोय औ
षद चौ० सांठि चावल महदि सेव आन कालः
मल पाणी न पीव सीपो दो बालक को देय रोग
जाय इहा गे घ कहलोय मघ णी घीन अनुपा
माय जै बालक बहु मासु षपाय अनजवरु
पाव अजवायण अजैपाल संगा औ ले दोनो
को तुरत पिलावो स्त्री एक जवरदे मे याण तुर
मै॥ ने होय नाहा ज्वरहाणा उसम वाति जो दिजै आ
प तुरत मिटै बालक को नाप दो० अजैपाल
दो टंक लेगेरु दो टंक जाण चार टंक लिजे कटु
कहही कपड़ा छाण रसक बारके विचमे जदी
चणाक प्रमाण सो नल जल सो दीजो ये होनम

रम:
८७

हाज्वहोव इतिचौबीसप्रकारमसाणालदाण
उपाव ज्वरसंधभेदसंपूर्णो अथकंभेडाउपाव
चो० बालकजोसैकंभेडेआव ताहिकोएकपे
अवनाव अपमकिचधुंणाकीकेलैबावै का घ
कमाहाबालकप्राणावजावै लहेगापाडका
कमनकाल देहलीपाडकाठियेबाल येहोयं
अपहलैकरबाव बालकतुरतकैभेडाजाव
होरयेआएककहुंप्रकार तिसकानामसुनोति
रधार राजपूंजागेकिलेआव तिसकेलड्डु:
सातबनाव भेअपठैउपरदशबार लड्डुदश
अरलेपकुआप हांडिविचलड्डुलेधरै: उनके
उपरदिआकरै पछमदिशाहांडीलेजाय जल

बा०
५८ केउपरदेहनीराय मंत्रपठैनाहिदशवार बा
लरोगजोतुरतनिवार अथमंत्र: ॐनमोआ
देशगुरुको ॐनमोहनुमंताय महाबलवंता
य सीताशोकनिवारणाय लंकादहनकारणा
य ममबालकरक्षणाय मसाणकवेडफकाई
इनकोरक्षाकरैअंजनीमाई शब्दशाचापिंड
काचा फुरोमंत्रईश्वरमहादेवकावाचाफुर:
मंत्रजजपहोरसिद्धिकरकरकैहजार १६ फे
रझाड़ादेय पुन: औषद दोहा गजनिष्टाको
त्यायकर नाकारसकढवाय तुरतदिजी ये
बालकोसकलकंवेडेजाय पुन: चौ० काक
डासिंगीतुरतमंगाव नाहीबरोबरपनीसजो

राम:
५८

पाय पीपलपीसमहनमैपावै नाउपरयावा
नविचारै देयसभिवालककोजाय सकलरो
गद्दिनसैमिटजाय दो० पीपलदाडिम्यानकै
बडदाडिविल्पाय कालिमिरचागेरकैनीकी
समरगडाय उष्मजोकरकै दिजीयेजववाल
ककोप्याय भलौधनंतरदेएाय कौवालकरो
गुनसाय चौ० धवलीनांहीघुघुचील्पावः
वौंघककोडाजडमेंगवाव नामधगोदरजनी
समकठी सहनसंगहीवांधोवटी निराधार
नीवालचराव ननकोरोगातुरनमिटजावः
इतिकेबेडेउपावसंपूर्णं अथअष्टवर्षेपर्यं
नघोडशवर्षलोंऔषदोउपाव दो० पावाए

बा॰ ६९ मेदहोरजायफलतंदुलजलसोंप्याव रुधर
घेभैततकालही बहुसुषबालकपाव बिल्व
कपपुनधातुकीअजमोदाकलककरेयः
अतिसारछिनमैमिटैअतिसुषपावैदेह चो॰
काकडासिंगीमोघेआन ताकेहीसमसहत
उठान चूर्णकरैसहतमैडारै बालचटायस
भिदुषहरै अथबालकछरदिकाउपाव दो॰
मोघेकडुइलायचीदिजैमधुमैसान तुरत
चटावैबालकोहोतरोगकीहान पुनःछर्दक
मलक्षण चो॰ तापहोयपुनउदरअफारा अरू
लहोयअतिसारबिकारा उदरकमजाणोतु
मसोय छर्दकमलछुनहैजोय उपाव बोय

प्रमः ६९

विडंगसिंधाजवषार कचैलाहरडैलैनिरधा
र गोतकसोपोवैये सभाहिक सेकानाशाकरे
य. अनारकीजडकाकाडाकरेय गेरकेमे
लापावैतह गजकोकडुघाय दिनतीनक
हैधनुवैतरहोयकसहीन कचलेमिरचसाघ
जोपाव तुरतकिरमतालूरनसाप इतिकसो
रोगः अथबालककोअडकोघुटी लौंगहो
रकमेलात्पाव वापविडंगइद्रजवषार नि
सोतजो तकुटाहरडैजान जीरास्वेतजोपीप
लमान कचंदनी जोसुहागात्पाव सेचलस
मुद्रफागतेपाव सिंधाहारकचनलुणमेगाव
जौवहियारताकेसधपाव टंकचौडेकीवि

षाल्याव नाहीरक्षाकैगुटिकेनावै ठंकाटंक
सभजीवनसप्रमाण। गुटिदेवालकको ढाए
उद्द्विकारसकलमिटजाय पेट अफारा तुर
ततसाय इहगुटिका येहिप्रमाण सर्वरोग
कोहोवेहारा इतिवालकगुटि अथवाल
कनेत्रपरअंजन फटकडी भूनी मासा१ क:
एकमासा१ अफीमकोदेय गोघृतजीतने:
मैसतजाय लोहेपात्रमारघसगाडाय रगडत
रगडतनहोवैस्याम चौपडनेत्रहोवैआराम:
सकलनेत्रकीपिडाजाय कह्योधन्वंतरये
होउपाय इतिअंजन अथरवअंजन चुल्हेमटीआ
नकैमैलवंदयदेदार पीसकरोरेविचमैलक

डीवोंसकोडार कोपीमैरगडैउसैरी नदिनाप
रवान चोपडजालेलपुसपरहोनरोगकोहान
अणवालकअंदसैकोः कृष्मा विण्मादाधवि
डंगी पुननेअवालाकाकडालिंगी गुडजोमल
सुपारी लेह अंदजाअसुषपानैदेह दोः विष्माः
म्याघ्रोमनरादायसीपञनमाल इनकाचूर
नकीदीजोयेहानरोगअंदढाल अपअंधपर
गुटिकाः चोः अभयानागरमोध्याजान गुड
गुटिकापैसापरवान दोयदिनाजेवटीखाएः
अंधरोगसभफुरनसाय पुनः नासपालचुल्हे
कीमही अजवायणहोरहरडैछोटी गेरसुद्धा
गानाहारगडाय राडओअदिसभछुएणवाय

बा०
५२ सीलगरमबालकोष्याय तुरतमंदनकोमि
टजाय परिहासछंद नालिसपत्रजोमिरचावि
ष्यालीजोयेताक पीपलसाजुसभनैभागचार
जेदीजोये पीपलतै आठगुणाधाकेरापाइये
टांकनोनपरवानजोभुरतठानीये टांकनोन
परवानजोचूरनभेलीये कोंसखोसकानाशहु
धापुनबहुकरैः संग्रहनीपांडुछीहा होरजव
रकोहारै चौ० लवंगाजो कम्माजोरासेन पीप ले
लसाजुइनोसमेन पलजोदाडमसिरचमिला
य पलजोचारसुंठभीपाय सभहीसमसीष्मिले
य चूरनकरकै यातहीदेय खोंसकोंसपतीत्र
स्नजनसाय संग्रहणीबालकको ज्वरजाये का
रामः
५२

सपरदोहा। भक्तणकरतांबलकौसौंमहोरपर।
भाव कौसर्पईकानासहीकरैनपीपरकोसहीष
न इतिबालकछंदं अथबालककोहीकाउ
पाव दोहा कणग्रावणासुंठससो मीष्टमधु
सोपाय हीकास्वांसनाहिरहउनमयेहिउपाव
नागरगुडसौं कूटकैजोनरयेहीनलेही हीका
स्वांसपुनीकौंसहीसुभकानासकरेही चौ०।
मधपांनहीकानरहाय धूमपांनसेहीचक
जाय मयूरपंखधूमकेराय तुरतहोयहीच
कीहान अथजोसबबालककोसरभेदहोजा
यतिसाउपावपरिहाछंद चकजोचोताआन
कैआमलभेदही नैनडोकपुनआनकैजोरा

चौ०
५२ पावस्वेतहो अंशलोचनपुनलेहोजोचीता
होरनालोपा मभसमहोकरवाइयेकपडछाए
पोगोस चो० गुडजोजूरनमेलाएह पञ्जनमाल
लायचीदेह गुटिकाआपसेगनोन सुनजोः
हो भंगइनसोंहोन दो० काणाजहेडासिंधवासोन
लजलसोलेय दिनचौदा१४नगपाइयेखाका
भंगमिटय हलदीपीपलमिरचगुडसोरसोंसिं
धाचूरन तिरणोजलमोपीजोपेखरजोभंगुहोदू
र अभ्रीपपयसोपीजोपैदेकदिननाते खर ठेकु
जोभंगइनसैमिटैकहोमेघइहभांन इतिस्व
रभंग पुनः अरस्वीउपाव दो० त्रिकुटारजनी
नफलाचूर्णमधुकेसंग सातदिननगदोजी

रामः
५२

ये अरुचीजायनिसंग पीपलीताकमततौपे जी
मिरस्सजोदेसैमेल मीश्रिसमकरलोजीये च
रलासमकरभेल टोकदेपपरभातसमजोनरदे
शकोयाय अरुचीजायमुषसुद्धहोवैषटीयोभ
नाय पुनःउपावः चो० तक्रदूधजलजो।
पीव मरदिमिटैसुखपावैजीव नवनतेफल प
सोदेय वायुवमनकानाशाकरेय पुनःवायु
छर्दपरः पीव टोकअपःजीयेसिधाताकमिला
प नीनवारजोपीवैयाहोवायुछर्देसभीमिट
जाय अपपीतछर्देकपनं दो० चंदनअरः
स प्रमाणघासिरैंजुओवलीमान मधुकेसंगजु
पीजीयेपितछर्दकोहान चो० तफलाभेवगि

बा०
५३ लोधपटोल काथकरोहरडासैपोल पीनवम
नतनकांसीजाय कैकाठाकरपीवै नारु पांन
करछर्दहोयहीनाश काठाकरपीवैओजास
दो०पीतपापडासहतकर काथकरसहतसंग
जोषाय छर्दहाहनरुबाहहैनहदीदो पैभता
य कणावपैअतिअघनसिंसपुणाफलसेत
वेरनकरकैफाकियेपीतवमनकोटाल नृफ
लासुंठविडंगसमफाकिमधुसोंलेय श्लेषम
छर्दकानाशहोवहुसुषपावैदेह आधमास
मधुसंगहीतीनटंकजोषाय छर्दश्लेष्मना
रहैबहुसुषपावैदेह धमासासधुकेसंगहो:
तीनटंकजोषाय छर्दश्लेष्मानारहैकेइहोसि रस:
५३

टजाय संचलजीराशर्करामिरचसंगजोखा
य सर्वछर्दिकानाशहोछर्दैफनौमिटजाय॥
अथत्रिदोषछर्दैपर कुम्भाजोकपीछर्दिपुनी
तंदुलपुलिआण मार्षीमधुसंगपीजोयेहान
छर्देकीहान पुनःपथ्या तेकुठधनेहलाजीरा
समकरदोय दौडासंगलेचाटियेछर्दिदूरस
भहोय छिन्नाअभयामिरचफनकणांमाष्यो जो
नात लेपकरैदिनतीनहोगमनजायततकाल
चो॰ लघुइलायचीमोथालौंग नासमकडु
इलायचीसंग चूरनकरसंगसहतचटाय ना
तैरोगछर्दिमिटजाय इत्योषदिसमाप्त अथ
मनवसाबंधयाजपोग: सप्तमासतप्याअहे

बा०
५८ षेडपेन गर्भना रिलांक्षा दशाया संजीवे झालस
बालस नेवत्सीकाम हास्व धमम हाजले आमः
एचसमासकें पोगनो चस गस्त चजें माक्षोति
तिसका बालानूजीवीतें अपेडपानःदो० म
सुजपकेजपकरोकरनेतीसहजार ३० सातना
जकापूतलासातमेषलेआय कौंपीपाजसेंगा
यकैउसमैघत्रभराय मानीबेराबरबस्त्रलेउ
सकोदेनहठाय चौसरदीपकपात्रमैउडद
वाकुलीपाय बस्त्रउतारैनारकैदीजैनाहिनु
वाय सातनाजकगकरैहरदिनाहामिलाय
मलोउबनानारकैउपरफेरनुवाय करोपूतला
फेरनुसदिजैवस्त्रउठाय धरकैसहनकविच

मैना सिंदुर गिराय चौंसट दीपक बालकै नारी
देह न्हुवाय जपमंत्र सुं जपसंकल्प कराइ जनी
सहजार ३० पिछै पुन लाठाय कै मंत्र जपै सोवा
र: १०० जाय चराह गाडीये ले पुन ले को स्यामः
फेर गर्भ छौडै नहि मरै न बालक एक महादेव
रक्षा करै निश्चै कर मन टेक दो० पानि मसास्प
निवीस को:= इकीस कुवे का नीर फल सात प
रकार के मंत्र पठै मन धीर उसमै नार न्हुवाइ
ये निचै पंजलि खाय पंजलि खै पर नाल कै
उपर नार न्हुवाय बठाय नाहि न्हुवाव उठाइये
औफल गोदि बिन सुत जीवै आयु वधै जाप
दुःख महा हीनीच दो० पंचजो तिचै राषीये

वस्त्र लाललिखआय फेरजीसैबालकसकु
लनहिमरैसनभाय इतिजंध्याप्रयोगसंपूर्णो
ॐह्रींह्रुंश्रीसीतलेजगतमातायकुरुकुरुह्रीं
स्वाहा इतिमंत्रः आदुतेजपेतसिद्धिप्रथमेप्रा
रपश्चाज्जपंकुर्यात् सीतलाप्रसन्ने ॐअद्य
त्यादिअमुकगोत्रोत्पन्नोहंअमुकनामशर्मणः
विस्फोटकनाशाते सकलउपद्रवनाशार्थेमम
बालकशांत्यर्थेअष्टोत्तरंजपमहंकरिष्ये । सत
१०८ सतजपे मासमाततनारहोजाय गर्भपिडतो
हांअधिकसुहाय महाकष्टपावैजोतार तासु
प्रकारणायेउपगार कौंजगितजामणजडल्या
मीभिततासमहेरमिलाव रातमिलासीतलज

लपीस दुधसंगपीजैयोगीस पीवततनारसभ
दुखनशाय गर्भजलछिनमैसिटजाय दो०।
रंभाउवाच मासआठवोंजबलगैनारितनहोछ
ल नातनपीडासगगर्भकीनिंपकोछलपरमानः
धन्वंतरउवाच नाओयहजोकरैनरनार सु
खपावैदुखनासअधार गजपीपलहारधनी
याआन मालानाहीगेरसधसान सीतलजल
सोंगेरैनाहाय दुधमाहीजोदेहपिलाय नाको
पिवनारसुखहोय यामैनाकछुरहालकोय
इतिश्रीबालचिकित्सा अथमासनथ्यादिवसनथ्या
मास१२दिनसेजवली तथाषोडशावर्षसर्वभसा
ण मैंअपेजनेत्रगाडासमाप्तम संवत् १९४९

श्रीगणेशायनमः वरुणोवाच अवर्णीराजा
नपुछाहै हेमाहाराजजी इश्वर कमः ऐसावि
चारहैके इस्त्रीजै जोकुहोजातीहै: रावणोवा
च इश्वानानकापेहलेजयोजनहै: केइसानिमा
रिसै: इस्त्रीजैजाहोतीहै केअपमतापेहः केव
छेदानडलटाहोजाताहै: दूसरे वछेदानमः
॰पवनपूर्वकहोतीहै: तीसरे: वछेदानमः।
बुडमासफलजाताहै: चौथ: वछेदानमः।
कीडापडजाताहै: पांचवेंवछेदानमः चरवी
भरजातीहै: नछुठे: वछेदानमः सरदीभरजा
तीहै सातवेंवछेदानमः भूतः प्रेतहोजाता
है: वरुणोवाच हेमाहाराजाजी पेहः वातेः

किसतरोंजातीजातीहैः औरइसकीऔष
दीक्याहैः रागलोचाचे इसबातोंकायहवि
चारहैः कैजबआदमीबैठारहेअकलको:
ख्यालकरः फिरवयरसेःभोगकरकेदूरहोउ
सबकसबपरकोपहुः केतेरः कीसोघोड्डसभ
अंगम्ः पीडकयानहीहैः विहारकरकेः देव
किसोघोडकुछदर्दहोताहैः तोजाणावश्चेदा
न[illegible] उलटाहैः औरउसकायहइलाजहैः
विदाणाडुमासे पितासुगोंकाडुमासे पानी वी
मःरगडकेः तीनवलोंदकपडातरकर तक
रकेउसकपडेकिवतीवणाव करकेपोच
सातफेरिइस्लोकेशरीरमेःन्हाणेसःपीछेःपोंच

चारदिनयुंहिकर औरामकोदपासगर्भहै॥१
औरजोकहमेराशरीरकेअननहोताहै॥ तोजाए
लेवलेदानम॥ वायुभरगईहै॥ उपावहींगऔ
रतोलोंकोबराबरले जिसप्रकारपीछेकहाहै॥
उसप्रकारकरे॥ औरजोकहेकेगरदनमें पीडा
होतीहै॥ तोजाएलेवलेदानम॥ अद्धमासबंध
गयाहै॥ उपाव जीरासपेदसातमासे माजुमा
सेपांच हाथीकेनखनतीनमासे सिरसोंका
तेलतीनमासे जीसप्रकारकहाहै उसीप्रका
रकरे॥ औरजोकहैमेरीपिंडलीदर्दकरतीहै॥
तोजाए॥ कवलेदानम॥ कीडापडगयाहै॥ उ
पाव जौखारपांचतोले साबनपांचतोले व

डीहरड़ देतोले पालीमे:मलाकरउसीप्रकार:
कर:जोपिछेकहाहै: आसणभोजनकरे और:
जोकहै:पसलीमे:पिडाहोतीहै: तोजाणले बचे
दांतमे:गरमीभरगईहै उपाव: गधीकादूध:
तीनतोले सहतदेशावालीएकतोला जिसप्रका
रपिछेकहाहै:कैरै: औरकहै:केमेरिछातीपीडा
करतीहै: तोजाणलेबचेदांमे:सदीभरगईहै:उ
पाव: पिनामुगेकासातमासे पीपलापाचमा
से शकरतीनमासे केशरतीनमासे पानीमे:र
गडके: जिसप्रकारपिछेकहाहै उसीप्र० और
कहै:मेरेकोकहीपीडानहिहोतीहै तोजाणले
आंसेबभरतपाजिकाहै: जेतरलिखकरगले

ना०
५८ बांधै: तो आधाशीसदूर होजाव: और जो दूसरा:
प्रकार जाणो: जो बारके दिंमांदा होजाव पह
दिन शनिकाहै: एक देवसातनपकेतीन दिन
बुरेहैं पहलो सिरमें: दर्द होताहै: दूसरा:
तपजोडेकानोंसर: तपदर्द: छाती
का: चौथा: हडफूटणो:
पांचवपसलीमें: दर्दहोयपा
चदिनभारिहै: जोजेत्रनहिरखताहै:
उसकोमें: दुखआप्रिकरदेताहै और मेरोप
हवालिहै: बनोलेसबामठि: कसंभेमेपागे
मेरंगले और एक मुठि: पीलेरंग: और आद
मुठि: स्यामरंग: और एक आदमीकी खोपरी:

लेवः उडदके आटेको दिवा गुडका घीव औ

रउसी आटेमः गुड मिलाकः पाँच मटिकेपाँ

चगोले बणाकर एक लोहेकी मेयले सभचो

जाएककचो हांडीमा धरकः दोवावालकः एक

नागाउमोलीकाः उस हांडीकेमुहपरबांधलेः

किमारके शिरपरवारकः फिरयहकलामपठः

फिरचाररा हमगाड आव १ औरजो आदित्यः

वारके दिनमोदाहोए उसदिन असेवनायतः

कोहोवहः दिन सर्यकाहः पहला १ सिरसःपी

डाहोय २ दूसर जीगरमदर्द होताहः औरपेटमे

दर्दः हाडोमेदर्दः सर्वशरीरमेदर्दः वखाणनेवा

लासःकाहाहः केनामइसादेवकाखरतीव

बा०
५९ ह॥ औरपहसाथचडैलोकोरह औरकुकृतसा
खोवालेपुरलोवहतोमरहाकरनोह॥ कलीखाकी
पहह॥ वकरीकामास मानपुडीया खसवोहार

कुल्ह	हो	अल्ला	अहद	अल्ला	अस्समद	लम	यलद
हु	अल्ला	अहद	अल्ला	अस्समद	लम	यलद	वलम
अल्ला	अहूद	अल्ला	अस्समद	लम	यलद	वलम	यूलद
अहद	अल्ला	अस्सूम	लम	यलद	वलम	यु लद	वलम
अल्ला	अस्सम	लम	यलद	वलम	युलद	वलम	याकुन
अस्सूम	लम	यलद	वलम	यूलद	वलम	याकुन	अल्लहू
लम	यूल	वलम	यलद	वलम	याकुन	अल्लहू	कफुवन
यलूद	वलम	यलद	वलम	याकुन	अल्लहू	कफवन	अहद
यहकलामसर्वबारोंकेरोगनहानेकहनोमेपर॥							

राम॥
५९

मानवन्नोकीपानी बीडा१ सानमेरोकीलपसी ए
कजुम्मादहिका एकमुर्गेकावच्चा एकमुठीउ
ड्दकीदाल गीहुंकेआटेकादिवा मभचोजा:
मदिकोरका बिमाधर: जाहोवहुनवसहोचले
नेपालीपरधरआवै जबीबिमारकोफायदाहो
जाव औरदिनसोमवारकेमांदाहोय यहदिन
देवगरेवखानकाह गोरिस्तानकाह: पहलघि
रपीडाहो नपजाडेका म्रवहोन नीदनाआवः
औरपांवसेमासवकरीका एकगजकपडामें:
बांधकेचाररातमेरखआव लड्डु ५) बाडसो:
सखआवै फायदाहोफटबांदे औरजोदिनमें
गलेसांदाहोय देवनः कहानाममेराजलवहः

ना॰
१२०

औरउपर कुवेके मेरा मकान है॰ या पुरा गोंव्राग
म॰ जाहा नला वहो जो कोई का बनदन को पता
हः शिरभारि पीडाहो पोव पिंडलो मपीडा करना
हु मुषभारि रहै नलो मेरो गह स्पामनलोतेस
वामुठिः हाइमुठिसपेद गौ हुके ग्राटेकाद्दिवा
गउके घोव का दोहडिया आदमीको सवामुठिच
णोकी दाल सभ उससा पावे फेरसातवारि कुलपट॰
आरघडो रातगये बिमारके सिरपरको वारकरकु
वैपरधर आवे और कुवेका पाली लावे कीससे
वातनाकरे पानि बिमारके मंजपर आसपास छि
डरे आराम हो॰ चारफेरि कुलपट॰ और जो दिन
बुधवारके मांदाहो देवनः कहानाम मेरागोल

बुधाबानहः उजडहवेलीमारहताहुं मैःआद
मीकेशिरकोचरकेदेताहुं डालआतीहःसिरमः
फोडदसहोतेह मेरिवलीपेहः आदमीमकरीकी
आड़िया आरमशिरकेबाल कपडाऔरतकेफ
लोकाआटेकाद्दिवा एकप्यालेमःधरकेःपुराणघ
रउजुडमःकाडःतीनदिनदिवाकुवेपरआल पंच
आसणाउमावे जबोआरामहे। औरजोगुरुदिन।
मोदाहे देवनकहामःचुल्हेपर हरादियाशगठा
रहताहुं लपआडेकाहडफटगी। कडवामुखकर
करदेताहुं मेरिवलीपेह वैौलेकालेसवामहठिः
सवामहठिपीले चारलोटियां सातदहीसरवतकी
कुजीयांभरकेः औरचारगुडीयांएकरंगकी सात
गुडियांसातरंगकी एकदिवाधोका रकाबीमधर

कः छवायकः जहाँपुरतामेंनामकानहोचु
ल्हेपररववआवः कुलपठः आरामहो औरजो
दिनशुक्रवारकेमांदाहो देवनःकहानामसेरः
मोतऋलसोनहः पहलोशिरमपीडा गातकोप
नपडालपेटमःदर्द वलीसरोयेह बकरीकामा
स लौंगइलायची दोरोटियोचोपडो शकरघीः
सवाहाथकपडा एककुणाकालार पीलार लालर
सेतर मानपुडियाँखुसबोकोर सिंदूरको कालि
होडिमाधरकः जाहापाणोचलताहो उसजगों
आवैः फेरसिरकेउपरकुलपठःकः विमारकोः
ला खुदैवै जवआरामहो इतिसप्तवारचिकित्सासं
पूर्णों लिखतंनयःरामःसुतानादपठनार्थोविंद्री
बलखानेवारी शुभं रामः



